Roll No. : ..... Total Pages : 4

SAN8121T

M.A. FIRST SEMESTER (NEP) EXAMINATION, 2023-24

SANSKRIT

वैदिक वाङ्मय : ऋक्संहिता एवं निरुक्त

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 80

खण्ड-अ *[अंक :16]*

सभी आठ *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***50*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

खण्ड-ब *[अंक :40]*

प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न चुनते हुए, कुल ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***200*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

खण्ड-स *[अंक :24]*

किन्हीं दो *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***300*** *शब्दों से अधिक न हो।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

खण्ड–अ

1. (i) इन्द्र सूक्त के ऋषि कौन हैं?

(ii) महर्षि यास्क ने देवता के कितने प्रकार बताए हैं?

(iii) निरुक्त के किस अध्याय व काण्ड में देवताओं का विस्तृत विवेचन किया गया है?

(iv) सहस्त्रशीर्षा किस देवता का विशेषण है?

(v) वाक् सूक्त में प्रयुक्त छन्द क्या है?

(vi) वैदिक मन्त्रों के पाठ कितने भागों में विभक्त हैं, नाम लिखिए।

(vii) समानाक्षर वर्ण लिखिए।

(viii) निरुक्त में पदों को कितने भागों में विभक्त किया गया है?

खण्ड–ब

इकाई–I

2. निम्नलिखित मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

यो जात एव प्रथमो मनस्वान् देवो देवान्क्रतुना पर्यभूषत्।

यस्य शुष्माद्रोदसी अभ्यसेतां नृम्णस्य मह्ना स जनास इन्द्रः।।

अथवा

ततो विराडजयात विराजो अधि पूरुषः।

स जातो अत्यरिच्यत पश्चाद् भूमिमथो पुरः ।।

इकाई-II

3. निम्नलिखित मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

अहं राष्ट्री संगमनी वसूनां चिकितुषी प्रथमा यज्ञियानाम्।

तां मा देवी व्यदधुः पुरुत्रा भूरिस्थात्रां भूर्यवेशयन्तीम्।।

अथवा

कामस्तदग्रे समवर्ततााधि मनसो रेतः प्रथमं यदासीत्।।

सतो बन्धुमसति निरविन्दन् हृदि प्रतीष्या कवयो मनीषा।।

इकाई-III

4. निरुक्त के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए नाम पद का विवेचन कीजिए।

अथवा

वेदांग निरुक्त में आख्यात पद का वर्णन कीजिए।

इकाई-IV

5. इन्द्र देवता के स्वरूप का चित्रण कीजिए।

अथवा

सूर्य देवता के स्वरूप का चित्रण कीजिए।

इकाई-V

6. निरुक्त अध्ययन के उद्देश्य की विवेचना कीजिए।

अथवा

महर्षि यास्क के अनुसार देवताओं के स्थान व स्वरूप की समीक्षा कीजिए।

खण्ड-स

7. ऋक्संहिता में अग्नि सूक्त का वर्णन कीजिए।

8. ऋक्संहिता के नासदीय सूक्त के स्वरूप का चित्रण कीजिए।

9. निर्वचन का लक्षण बताते हुए "आचार्य", "वीर" व "जातवेदस" शब्दों की व्युत्पत्ति का निरूपण कीजिए।

10. महर्षि/आचार्य यास्क के अनुसार मंत्रों के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

----- × -----